



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 127 ]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 17, 2004/आषाढ़ 26, 1926

No. 127]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 17, 2004/ASADHA 26, 1926

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 13 जुलाई, 2004

सं. डी-12011/1/98-टीएएमपी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का अधिनियम सं. 38) की धारा 47 ज (2) के साथ पठित धारा 123क के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण केन्द्रीय सरकार की सहमति से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है अर्थात् :—

## 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- (i) इन विनियमों का नाम महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण (विकित्सा परिचर्या और उपचार) विनियम, 2004 होगा।
- (ii) ये विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।

## 2. प्रवृत्त होना

- (i) ये विनियम प्राधिकरण के सेवा विनियमों की शर्तों के अनुसार प्राधिकरण-कार्यालय में नियुक्त सभी कर्मचारियों पर लागू होंगे।
- (ii) ये विनियम निम्नलिखित पर लागू नहीं होंगे :
  - (क) अध्यक्ष
  - (ख) सदस्य (अंशकालिक सदस्य सहित)
  - (ग) संविदा आधार पर रखा गया/नियुक्त कर्मचारी और अंशकालिक कर्मचारी
  - (घ) आकस्मिक निधि से भुगतान प्राप्त करने वाला कर्मचारी
  - (ङ) परामर्शदाता अथवा सलाहकार

## 3. परिभाषाएँ

इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, निम्नलिखित परिभाषाएँ लागू होंगी :

- (i) "अधिनियम" का आशय महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का अधिनियम सं. 38) से है।
- (ii) "प्राधिकरण" का आशय अधिनियम की धारा 47क के अधीन गठित महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण से है।
- (iii) "अध्यक्ष" का आशय अधिनियम की धारा 47क के अधीन नियुक्त किए गए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण के अध्यक्ष से है।
- (iv) "सक्षम प्राधिकारी" का आशय अध्यक्ष से अथवा इन विनियमों के अधीन शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अध्यक्ष द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति से है।
- (v) "कर्मचारी" का आशय प्राधिकरण के सेवा विनियमों की शर्तों के अनुसार प्राधिकरण में किसी पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति से है।

- (vi) (क) "परिवार" का आशय प्राधिकरण के किसी कर्मचारी के साथ रह रही/रहे पत्नी/पति और कर्मचारी पर पूर्णतः आश्रित दो जीवित बच्चों अथवा सौतेले बच्चों से है जिनकी सभी स्रोतों से आय 1500/- रुपए प्रतिमाह से अधिक न हो। इसके अलावा, इनमें माता-पिता, सौतेली माँ, अविवाहित बहिन, भाई, विवाहित बेटियाँ जो बालाकशुदा, परित्यक्त और अपने पतियों से अलग हों, शामिल हैं, यदि वे कर्मचारी के साथ रह रही हों और उस पर पूर्णतः आश्रित हों। इनमें विधवा बहने भी शामिल हैं, यदि वे कर्मचारी के साथ रह रही हों और उस पर पूर्णतः आश्रित हों बशर्ते उनके पिता जीवित न हों अथवा वह स्वयं कर्मचारी पर आश्रित हों।

टिप्पणी - 1 : पति/पत्नी के मामले में, "कर्मचारी के साथ रहना" आवश्यक शर्त होगी जबकि परिवार के अन्य सदस्यों के मामले में "कर्मचारी के साथ रहना" और "कर्मचारी पर पूर्णतः आश्रित होना" दोनों शर्तें लागू होंगी।

टिप्पणी - 2 : उपर्युक्त दो जीवित बच्चों की सीमा कर्मचारी के मौजूदा बच्चों और इस सीमा के लागू होने के एक वर्ष के अन्दर अर्थात् 20-10-1997 तक जन्मे बच्चे पर लागू नहीं होगी जैसीकि एक बच्चे के जन्म के बाद एक साथ एक से ज्यादा बच्चों के जन्म के मामले में लागू नहीं होती।

टिप्पणी - 3 : "परिवार" शब्द में एक से अधिक पत्नी/पति शामिल नहीं है।

- (ख) इन विनियमों के अधीन मिलने वाली चिकित्सा रियायतों के लाभ प्राप्त करने के प्रयोजन से महिला कर्मचारी को उसके माता-पिता को अथवा सास-ससुर को शामिल करने का विकल्प दिया जाएगा, बशर्ते उपबंध (क) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुसार निर्भरता और साथ में रहने की शर्तें पूरी होती हों।

टिप्पणी - 1 : प्रत्येक महिला कर्मचारी को सेवा ग्रहण/विवाह के तत्काल पश्चात एक घोषणापत्र देना होगा कि वह इन विनियमों की प्रतिपूर्ति योजना के अधीन प्राप्त होने वाले लाभों को प्राप्त करने के प्रयोजन से अपने माता-पिता अथवा सास-ससुर में से किनका नाम शामिल करवाना चाहती हैं। वह अपनी पूरी सेवा अवधि के दौरान केवल एक बार ही अपना विकल्प बदल सकती है।

- (ग) निम्नलिखित होने पर कर्मचारियों (महिला और पुरुष दोनों) की अनुसूची-II में निर्धारित प्रपत्र में, परिवार के प्रत्येक सदस्य का स्पष्ट रूप से ब्योरा देते हुए, अपने विकल्प का एक संयुक्त घोषणापत्र देना होगा जोकि संबंधित पत्नी/पति द्वारा किए जाने वाले दावे के लिए पर्याप्त हो। घोषणापत्र की एक प्रति प्रत्येक पति/पत्नी के कार्यालय द्वारा रखी जाएगी।

- (घ) इन विनियमों के अधीन चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त करने के प्रयोजन से उपबंध (vi) (क) में उल्लिखित, आश्रित पुत्र/पुत्री की आयु सीमाएं इस प्रकार होंगी :

- (i) पुत्र के मामले में, धनार्जन शुरू करने अथवा 25 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो ;
- (ii) पुत्री के मामले में, धनार्जन शुरू करने अथवा आयु-सीमा पर बिना ध्यान दिए विवाह होने तक, जो भी पहले हो ; और,
- (iii) किसी प्रकार की (शारीरिक अथवा मानसिक) कोई स्थायी अक्षमता से पीड़ित पुत्र के मामले में लागू नहीं।

- (ङ) चिकित्सा सुविधाएं अथवा उसके स्थान पर चिकित्सा भत्ता का दावा एक साथ दो अथवा उससे अधिक स्रोतों से नहीं किया/प्राप्त नहीं किया जाना चाहिए। इन विनियमों के अंतर्गत आने वाले सभी कर्मचारियों को अपने प्रत्येक चिकित्सा दावे के साथ अनुसूची-II में दिए गए प्रपत्र में प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए।

- (vii) "सरकार" का आशय केन्द्र सरकार से है।

- (viii) "सदस्य" का आशय अधिनियम की धारा 47क के अधीन नियुक्त प्राधिकरण के सदस्य (अंशकालिक सदस्य सहित) से है।

- (ix) "वेतन" का आशय चिकित्सा उपचार के समय कर्मचारी द्वारा आहरित मूल वेतन, विशेष वेतन, महंगाई वेतन अथवा वेतन के रूप में वर्गीकृत अन्य परिलब्धियों से है।

- (x) "लोक सेवक" का आशय इसी बात से है जो अधिनियम की धारा 112 के अधीन परिभाषित है।

- (xi) "पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी" का आशय जहाँ तक समूह 'घ' पदों का संबंध है उस पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी से है जिसके पास भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की एक अनुसूची में शामिल शैक्षणिक योग्यताएँ हों, समूह 'ग' और 'ख' पदों के लिए सिविल सर्जन की शैक्षणिक योग्यताएँ प्राप्त चिकित्सक और समूह 'क' पदों के लिए एक विशेषज्ञ अथवा एक काय-चिकित्सा अथवा एक सर्जन की शैक्षणिक योग्यताएँ प्राप्त चिकित्सक से है।

#### 4. चिकित्सा उपचार

"चिकित्सा उपचार" में एक अनुमोदित अस्पताल में अन्य विशिष्ट उपचार और बाह्य रोगी को शामिल करते हुए बृहत् चिकित्सा सरोकार समाविष्ट होंगे और उनमें निम्नलिखित भी शामिल होगा :

- (क) रोग-निदान की रोग-विज्ञानीय, विकिरण-विज्ञान-संबंधी और अन्य विधियाँ।
- (ख) किसी क्लिनिक में अथवा पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी के परामर्श कक्ष में उपचार।
- (ग) उन मामलों में, कर्मचारी के आवास पर चिकित्सा प्रदान करना जिनमें पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि यह रोगी के स्वास्थ्य के हित में है।
- (घ) किसी अनुमोदित अस्पताल/रोग-निदान केन्द्र में बाह्य रोगी के रूप में कराया गया उपचार।
- (ङ) दवाइयों, टीकों, सेरा अथवा अन्य चिकित्सीय वस्तुओं की आपूर्ति स्वीकार्य है, परंतु इनमें विटामिनों को तब तक शामिल नहीं किया जा सकता जब तक पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी इन्हें निर्धारित दवाइयों के अनुपूरक के रूप में अनिवार्य प्रमाणित नहीं करता है।
- (च) दाँतों का उपचार - सामान्य दंत चिकित्सा, इनमें कृत्रिम दंतावली की आपूर्ति, खराब दाँतों की सुरक्षा के लिए उसपर सोना आदि का टोप चढ़ाना, दाँतों को जोड़ने के लिए तार बांधने का कार्य, दाँतों को सीधा करने का कार्य और अन्य विशेषज्ञ दंतोपचार शामिल नहीं हैं।
- (छ) नेत्र-संबंधी उपचार - आँखों का उपचार और आँखों की दृष्टि जाँच, परंतु चश्मों की आपूर्ति शामिल नहीं है।
- (ज) प्रसव के पहले और प्रसव के बाद का उपचार।
- (झ) आलर्जी-रोगी उपचार।
- ( ) कर्मचारी की पदस्थिति के अनुसार उपयुक्त सामान्य उपचर्या सुविधा और अस्पताल में रहने का स्थान।

#### 5. अस्पताल में रहकर उपचार

- (i) कर्मचारी अथवा उसके परिवार का कोई सदस्य इन विनियमों के साथ संलग्न अनुसूची-III में उल्लिखित सरकारी अस्पताल, मुम्बई में अथवा मुम्बई से बाहर किसी स्थानीय निकाय द्वारा संचालित अस्पताल अथवा सरकार से मान्यता प्राप्त किसी अन्य अस्पताल में अंतरंग रोगी के रूप में चिकित्सा उपचार करा सकता है।
- (ii) उपबंध (i) में दिए गए अस्पतालों में आवास प्रभारों की प्रतिपूर्ति नीचे दी गई तालिका में विनिर्दिष्ट दरों पर की जाएगी :

तालिका

कर्मचारी वर्ग	सरकारी अस्पताल	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	अनुमोदित अस्पताल
1	2	3	4
समूह 'क'	निजी वातानुकूलित कक्ष	निजी वातानुकूलित कक्ष	निजी वातानुकूलित कक्ष
समूह 'ख'	निजी कक्ष	निजी कक्ष	निजी कक्ष
समूह 'ग'	अर्ध-भुगतान वार्ड	अर्ध-भुगतान वार्ड	अर्ध-भुगतान वार्ड
समूह 'घ'	सामान्य वार्ड (भोजन सहित)	सामान्य वार्ड (भोजन सहित)	सामान्य वार्ड (भोजन सहित)

- (iii) विनियम 5(i) के प्रयोजन के लिए, सक्षम प्राधिकारी, समय-समय पर, किसी निजी अस्पताल, दवाखाना, प्रसूति अथवा बाल कल्याण केन्द्र अथवा क्लिनिक का अनुमोदन कर सकता है यदि वह सरकारी सूची में शामिल हों।

### चिकित्सा व्ययों की प्रतिपूर्ति

- (i) कर्मचारी अपने और अपने परिवार के किसी सदस्य का पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी और/अथवा अनुमोदित अस्पताल द्वारा बाह्य रोगी के रूप में किए गए चिकित्सा उपचार पर होने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति के रूप में, अधिकतम एक माह के मूल वेतन प्रतिवर्ष, का हकदार होगा।
- (ii) कर्मचारी के स्वयं के और उसके परिवार के सदस्यों के अस्पताल में भर्ती होने पर आने वाले व्ययों की पूरी प्रतिपूर्ति सभी रोगों और दुर्घटनाओं, जिनके लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है, (सामान्य स्वास्थ्य जाँच को छोड़कर, प्रेक्षण-अध्ययन और चिकित्सा उपचार सहित) के मामले में चिकित्सक के औषध-पत्र द्वारा विधिवत् अनुसमर्थित बिलों और वाउचरों के आधार पर की जाएगी।

**टिप्पणी:** कर्मचारी अथवा उसके परिवार के सदस्यों को केवल तभी अस्पताल में भर्ती माना जाएगा जब उन्हें अस्पताल में अन्तरंग रोगी के रूप में भर्ती किया जाएगा।

### 7. विशेष रोगों का उपचार

- (i) विनियम 5 (i) के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं के अलावा, कर्मचारी अथवा उसके परिवार का कोई सदस्य नीचे दिए गए अस्पतालों अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट अन्य अस्पतालों में से किसी एक अस्पताल में हृदय संबंधी विशेष रोगों (ओपन हार्ट सर्जरी, बाइ-पास सर्जरी आदि), कैंसर, गुर्दे संबंधी रोग, स्नायु शल्यचिकित्सा, क्षय रोगों और इस प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर अधिसूचित अन्य रोगों का चिकित्सा उपचार करा सकता है :

#### तालिका

क्र. सं.	रोग का नाम	मान्यता प्राप्त अस्पताल
1.	हृदय रोग और अन्य रोग	1. एस्कोटर्स अस्पताल, नई दिल्ली
		2. बत्तारा अस्पताल, नई दिल्ली
		3. मूलचन्द अस्पताल, नई दिल्ली
		4. अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली
		5. राष्ट्रीय हृदय संस्थान, नई दिल्ली
	कैंसर	टाटा संस्थान, मुम्बई

- (ii) यदि कर्मचारी उपबंध (i) के अंतर्गत चिकित्सा उपचार करता है तो कर्मचारी को ऐसे रोगों से संबंधित दवाइयों सहित उपचार अथवा रोग-विज्ञान संबंधी जाँच पर होने वाले पूरे व्ययों की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

### 8. पति अथवा पत्नी में से किसी एक द्वारा दावा

यदि कर्मचारी की पत्नी/पति सरकारी सेवा अथवा सरकार के स्वामित्व अथवा नियंत्रण वाले संस्थान में कार्यरत है और वह पत्नी/पति अपने और अपने परिवार के किसी सदस्य के लिए लागू संबंधी नियमों के अधीन लाभों का दावा करती/करता है तो कर्मचारी इन विनियमों के अधीन किसी लाभ का दावा नहीं करेगा।

**9. चिकित्सा उपचार के लिए अग्रिम**

- (i) यदि सक्षम प्राधिकारी संतुष्ट है कि कर्मचारी अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य के अनुमोदित अस्पताल में अंतरंग रोगी के रूप में हुए चिकित्सा उपचार के व्ययों को पूरा करने के लिए अग्रिम देना आवश्यक है, तो वह सक्षम प्राधिकारी कर्मचारी के एक माह के मूल वेतन अथवा चिकित्सा उपचार की अनुमानित लागत, जो भी कम हो, का पचास प्रतिशत अग्रिम रूप में मंजूर कर सकता है, बशर्ते वह इसके लिए उक्त अस्पताल का सभावित व्यय संबंधी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करे।
- (ii) यदि कोई कर्मचारी गंभीर रोग स्थिति दुर्घटना के कारण अग्रिम के लिए आवेदन करने में असमर्थ हो तो कर्मचारी की ओर से उसकी पत्नी/पति अन्य विधिक वारिस, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा लिखित अनुरोध किए जाने पर कर्मचारी को अग्रिम मंजूर किया जा सकता है।

**10. विशेष उपबंध**

यदि किसी सरकारी अस्पताल/मान्यता प्राप्त अस्पताल के विशेषज्ञ द्वारा रोगी के लिए निम्नलिखित कृत्रिम साधनों/उपकरणों/उपस्करों में से किसी को आवश्यक बताया जाता है तो सक्षम प्राधिकारी उसकी लागत की प्रतिपूर्ति मंजूर कर सकता है :

- (i) हार्ट पेस-मेकर और पल्स जेनरेटर का प्रतिस्थापन।
- (ii) हार्ट वाल्व।
- (iii) कृत्रिम इलेक्ट्रानिक स्वरयंत्र।
- (iv) कृत्रिम श्रवण उपकरण,
  - (क) बधिरता की मात्रा पर आधारित जेब में आने वाला उपकरण; और,
  - (ख) विशेष प्रकार का उपकरण (कान के पीछे लगाया जाने वाला)।

**11. विदेश में उपचार**

- (i) यदि कर्मचारी अथवा उसके परिवार का कोई सदस्य किसी ऐसे रोग से पीड़ित है जिसका उपचार भारत में उपलब्ध नहीं है तो ऐसे उपचार पर होने वाले व्यय की मंजूरी के लिए प्राधिकरण से अनुरोध किया जा सकता है।
- (ii) यदि प्राधिकरण आवेदन में दिए गए तथ्यों की सत्यता से संतुष्ट है तो वह उपबंध (i) के अधीन पोत परिवहन मंत्रालय के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए गठित स्थायी समिति को एक पत्र भेजेगा; और, यदि स्थायी समिति अनुरोध का अनुमोदन कर देती है तो सक्षम प्राधिकारी व्यय की मंजूरी दे सकता है।

**12. विदेश में होने वाले चिकित्सा व्ययों की प्रतिपूर्ति**

जब कर्मचारी प्राधिकरण के कार्यों के संबंध में विदेश का दौरा करता है और बाह्य/आंतरिक चिकित्सा उपचार लेने के लिए बाध्य होता है तो सक्षम प्राधिकारी विदेश में होने वाले पूरे चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति करेगा।

**13. ऋणपूर्ण दावे**

- (i) यदि सक्षम प्राधिकारी संतुष्ट हो कि यह विश्वास करने के पर्याप्त कारण हैं कि कर्मचारी ने झूठा विवरण अथवा युक्ति द्वारा समर्थित, झूठा दावा प्रस्तुत किया है जिसे पूरी तरह से कदाचार का कृत्य माना जा सकता है तो वह उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू कर सकता है और ऐसे कर्मचारी को अनुशासनात्मक कार्यवाही पूरी होने तक दावे की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी।
- (ii) देय रूप में निर्दिष्ट प्रभार वास्तविक प्रभार होने चाहिए; कोई प्रभार तब तक स्वीकार न किए जाएं जब तक उसे सामान्य रूप से बिल में प्रस्तुत न किया जाए और अस्पताल/नर्सिंग होम आदि द्वारा दिए गए तत्संबंधी उपचार प्रमाणपत्र उसके साथ न लगाए गए हों।
- (iii) किसी दावे को स्वीकार करने के लिए सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

**14. छूट देने की शक्ति**

- (i) जहां कर्मचारी स्वयं अथवा अपने परिवार के किसी सदस्य के लिए नर्सिंग होम अथवा गैर-मान्यता प्राप्त अस्पताल में आकस्मिक चिकित्सा उपचार कराने के लिए बाधित होता है अथवा इन विनियमों के अधीन चिकित्सा व्ययों की प्रतिपूर्ति की हकदारी से अधिक व्यय करता है तो वहां सक्षम प्राधिकारी, मामले की सत्यता पर विचार करने के पश्चात, इन विनियमों के किसी उपबंध से छूट दे सकता है।
- (ii) उपबंध (i) में दिए गए मामले की सत्यता को निर्धारित करने के प्रयोजन से, सक्षम प्राधिकारी उपयुक्त हैसियत वाले चिकित्सा अधिकारी को शामिल कर अधिकारियों की एक उपयुक्त समिति का गठन कर सकता है।
- (iii) उन मामलों की तिमाही रिपोर्ट प्राधिकरण के समक्ष रखी जाएगी जिनमें उपबंध (i) के अंतर्गत आने वाली शक्तियों का प्रयोग किया गया हो।

**15. अवशिष्ट मामले**

जिन मामलों के बारे में इन विनियमों के तहत कोई विशिष्ट प्रावधान नहीं किया गया है उन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर केन्द्रीय सिविल सेवा (चिकित्सा परिचर्या) नियमावली, 1944 यथा संशोधित के तत्संबंधी उपबंधों और इस संबंध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले अनुदेशों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

**16. निवर्चन**

यदि इन विनियमों के निवर्चन में कोई शंका उत्पन्न होती है तो उसे प्राधिकरण को भेजा जाएगा और उस पर प्राधिकरण का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

**17. निरसन और व्यावृत्ति**

- (i) इन विनियमों के प्रारंभ होने से तत्काल पहले तक प्रभावी और इस प्राधिकरण के कर्मचारियों पर लागू चिकित्सा परिचर्या और उपचार के सभी नियमों, विनियमों और अनुदेशों को एतद्वारा इन विनियमों के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से निरस्त किया जाता है।
- (ii) प्रचालन के ऐसे समापन के बावजूद, पुराने नियमों, विनियमों, और अनुदेशों के अधीन कोई किया गया कृत्य या की गई कोई कार्यवाई या कर्मचारी को प्रदत्त या प्रोद्भूत कोई चिकित्सा दावा इन विनियमों के तद्नुरूप प्रावधानों के अधीन किया गया, प्रदत्त या प्रोद्भूत माना जाएगा।

अ. ल. बोंगिरवार, अध्यक्ष

[विज्ञापन/III/IV/143/04-असाधारण]

अनुसूची-I

[विनियम 3vi (ग) के अनुसार परिवार के सदस्यों की संयुक्त घोषणा]

1. कर्मचारी का पूरा नाम (स्पष्ट शब्दों में) \_\_\_\_\_
2. आवासीय पता \_\_\_\_\_
3. परिवार के सदस्यों का ब्योरा \_\_\_\_\_

क्र.सं.	नाम	जन्म तारीख	सम्बन्ध
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

मैं एतद्वारा घोषित करता हूँ कि :

(क) मेरे पिताजी/माताजी (नाम) \_\_\_\_\_ पूरी तरह से मेरे ऊपर आश्रित हैं और वे मेरे साथ (स्थान) \_\_\_\_\_ में रहते/रहती हैं। मेरे पिताजी/माताजी की कुल मासिक आय रु. 1500/- से अधिक नहीं है।

(ख) मेरा पुत्र/भाई (नाम) \_\_\_\_\_ उम्र \_\_\_\_\_ वर्ष बेरोज़गार है और पूरी तरह से मुझ पर आश्रित है।

(ग) मेरी पुत्री/बहिन (नाम) \_\_\_\_\_ उम्र \_\_\_\_\_ वर्ष अविवाहित/बेरोज़गार है और पूरी तरह से मुझ पर आश्रित है।

(i). पति का हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

(ii). पत्नी का हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

कार्यालय मुहर

कार्यालय प्रमुख का हस्ताक्षर

अनुसूची-II

[विनियम 3vi (ऊ) के अनुसार प्रमाणपत्र का प्रपत्र]

### प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मैं, श्री/श्रीमती \_\_\_\_\_

(कार्यालय) \_\_\_\_\_ में सेवारत हूँ और स्वयं अथवा अपने परिवार के सदस्यों के लिए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण (चिकित्सा परिचर्या और उपचार) विनियम के अधीन स्रोत से इतर किसी अन्य स्रोत से चिकित्सा सुविधाएं अथवा उसके स्थान पर वित्तीय/चिकित्सा भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा/रही हूँ।

कर्मचारी का हस्ताक्षर

## अनुसूची-III

**अनुमोदित निजी अस्पतालों/नैदानिक केन्द्रों की सूची  
(मुम्बई/नवी मुम्बई और मुम्बई/नवी मुम्बई से बाहर)  
[ विनियम 5 (i) देखें ]**

1. जसलोक अस्पताल, 15 डॉ. जी. देशमुख मार्ग, मुम्बई  
(सामान्य/विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
2. कम्बाला हिल अस्पताल और हृदय संस्थान, 93-95, अगस्त क्रांति मार्ग, मुम्बई  
(प्रसूति और स्त्री-रोगों के अलावा सामान्य/विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
3. आर.जी. स्टोन यूरोलॉजिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट, 21-ए, 14-ए रोड, अहिंसा मार्ग, खार (पश्चिम), मुम्बई  
(मूत्रविज्ञान और लेप्रोस्कोपिक शल्यचिकित्सा में विशिष्ट उपचार और मूत्रविज्ञान और उदर-अन्तरीक्षा (गैस्ट्रोएन्डोस्कोपी) में विशिष्ट नैदानिक प्रक्रियाएं)
4. महात्मा गांधी मिशन नवी बम्बई अस्पताल, प्लॉट सं. 35, सेक्टर-3, वाशी, नवी मुम्बई  
(सामान्य/विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
5. श्रीमती सुशीला बेन आर. मेहता और सर कीकाबाई प्रेमचन्द हृदय संस्थान, प्लॉट सं. 96, मार्ग सं. 31, निकट गांधी मार्केट, किंगज सर्कल (पूर्व), मुम्बई  
(हृद-धमनीय विज्ञान में विशेष उपचार तथा नैदानिक प्रक्रियाएं)
6. श्रॉफ नेत्र क्लिनिक, गोबिंद महल, 86-ख, एन. सुभाष रोड, मुम्बई  
(नेत्र-विज्ञान में विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
7. गुरु नानक अस्पताल, एस-341, गांधी नगर, बान्द्रा (पूर्व), मुम्बई  
(सामान्य उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
8. होली स्प्रिट अस्पताल, महाकाली रोड, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई  
(विसंक्रमण प्रक्रियाओं को छोड़कर सामान्य प्रयोजन के उपचार, हृदय, तन्त्रि-वाहिका, प्रत्यार्पण ऑपरेशनों को छोड़कर विशिष्ट उपचार और हृदय एवम् तन्त्रि-वाहिका परीक्षणों को छोड़कर सामान्य/विशिष्ट नैदानिक प्रक्रियाएं)
9. इन्लाक्स जनरल अस्पताल, इन्लाक्स जनरल अस्पताल रोड, चेंबूर कॉलोनी, मुम्बई  
(सामान्य प्रक्रिया उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
10. एस.एल. रहेजा अस्पताल, रहेजा रुग्णालय मार्ग, माहिम, मुम्बई  
(विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
11. राधाबाई वातूरमल ग्लोबल अस्पताल, 120, वीर सावरकर मार्ग, माहिम, मुम्बई  
(सामान्य प्रयोजन उपचार और वक्ष-रोग के लिए विशिष्ट उपचार)
12. करुणा अस्पताल, जीवन बीमा नगर, एल.आई.सी. कॉलोनी, बोरीवली (पश्चिम), मुम्बई  
(विसंक्रमण ऑपरेशनों को छोड़कर सामान्य प्रयोजन उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
13. मंगल आनन्द अस्पताल, 48 स्वास्तिक पार्क, उमर्शी बप्पा चौक, सायन ट्राम्बे रोड, चेंबूर, मुम्बई  
(सामान्य प्रयोजन उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)



14. बाई जेरबाई वाडिया बाल रोग अस्पताल, आचार्य दोंडे मार्ग, परेल, मुम्बई  
(बाल-रोगों का सामान्य और विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
15. नौरोजजी वाडिया प्रसूति अस्पताल, आचार्य दोंडे मार्ग, परेल, मुम्बई  
(स्त्री-रोग और प्रसूति संबंधी सामान्य और विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
16. बम्बई अस्पताल, 12, न्यू मरीन लाइन्स, मुम्बई  
(सामान्य/विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
17. डॉ. बालाभाई नानावटी अस्पताल, एस.वी. रोड, विले पार्ले (पश्चिम) मुम्बई  
(सामान्य/विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
18. जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास अस्पताल  
(सामान्य/विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)
19. मुम्बई पत्तन न्यास अस्पताल,  
(सामान्य/विशिष्ट उपचार और नैदानिक प्रक्रियाएं)

**अनुमोदित नैदानिक केन्द्र निम्नलिखित हैं :**

1. स्पेशलिटी रेनबेक्सी लिमिटेड, प्लॉट सं. 113, एम.आई.डी.सी., 15वीं गली, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई  
(सूक्ष्मजीव-विज्ञान, विकृति-विज्ञान और जीव-रसायन में सामान्य/विशिष्ट नैदानिक प्रक्रियाएं)
2. एन.एम. चिकित्सा केन्द्र, मेहता हाऊस, 36 पंडिता रमाबाई रोड, मुम्बई  
(सामान्य और विशिष्ट नैदानिक प्रक्रियाएं)
3. वी.टी. शाह नैदानिक केन्द्र और क्लिनिक, कापोले निवास, डॉ. अम्बेडकर रोड, मुम्बई  
(सामान्य और विशिष्ट नैदानिक प्रक्रियाएं)
4. क्लिनिकल डायग्नोस्टिक सेंटर, ए 8, बेन नेविस, बी. देसाई रोड, मुम्बई  
(एक्सरे, कैट-स्केन, एमआरआई और मेमोग्राफी के अतिरिक्त सामान्य और विशिष्ट नैदानिक प्रक्रियाएं)
5. स्टरलिंग इमेजिंग केन्द्र/एल.डी. चिकित्सा केन्द्र, वरली, मुम्बई  
(बोन डेन्सिटोमेट्री और मेमोग्राफी के लिए विशिष्ट नैदानिक प्रक्रियाएं)
6. अंधेरी पैथोलॉजिकल लैब, 14, राधिका निवास, अंधेरी, मुम्बई  
(सूक्ष्मजीव-विज्ञान, विकृति-विज्ञान हेमाटोलॉजी, जीव-रसायन और हार्मोन आसे में सामान्य और विशिष्ट प्रक्रियाएं)
7. निर्माण हाइ-टेक डायग्नोस्टिक सेंटर, श्रीराम अपार्टमेंट्स, गोरसवाडी, एस.वी. रोड, मालाड-कांदिवली पश्चिम, मुम्बई  
(विशिष्ट इमेजिंग नैदानिक प्रक्रियाएं)
8. अश्विनी प्रयोगशाला, ज्योति भवन, सात बंगला, अंधेरी (पश्चिम), मुम्बई  
(जीव-रसायन, सूक्ष्म जीव विज्ञान और पैथोलॉजी में सामान्य और विशिष्ट नैदानिक प्रक्रियाएं)

**TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS****NOTIFICATION**

Mumbai, the 13th July, 2004

No. D-2011/1/98-TAMP.—In exercise of the powers conferred by Section 123 A read with Section 47 H (2) of the Major Port Trusts Act, 1963 (Act No. 38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports with the concurrence of the Central Government, hereby makes the following Regulations namely :—

**1. Short Title and Commencement**

- (i). These Regulations may be called the Tariff Authority for Major Ports (Medical Attendance and Treatment) Regulations, 2004.
- (ii). They shall come into force on the date of their publication in the Gazette of India.

**2. Application**

- (i). These Regulations shall apply to all employees appointed in the office of the Authority in terms of its Service Regulations.
- (ii). These Regulations shall not apply to the following
  - (a). The Chairman
  - (b). The Member (including a part-time Member)
  - (c). An employee engaged/appointed on contract basis and to an employee who is not in wholetime employment.
  - (d). Employee paid out of contingencies.
  - (e). A Consultant or an Adviser.

**3. Definitions**

In these Regulations, unless the context otherwise requires, the following definitions shall apply.

- (i). “Act” means the Major Port Trusts Act, 1963 (Act No.38 of 1963).

- (ii). "Authority" means the Tariff Authority for Major Ports constituted under Section 47 A of the Act.
- (iii). "Chairman" means the Chairperson of the Tariff Authority for Major Ports, appointed under Section 47 A of the Act.
- (iv). "Competent Authority" means the Chairman or any other person authorized as such by the Chairman to exercise the powers under these Regulations.
- (v). "Employee" means a person appointed in the Authority against any post, in terms of its service Regulations.
- (vi). (a). "Family" means the spouse of an employee of the Authority residing with his/her and two surviving children or step children residing with and wholly dependent upon the employee whose income from all sources does not exceed Rs.1,500/- per month. It includes, in addition, parents, stepmother, unmarried sisters, minor brothers, married daughters who have been divorced, abandoned and separated from their husbands. Widowed sisters are also included, if residing with and wholly dependent upon the employee provided that their father is either not alive or is himself dependent on the employee.

Note-1: In the case of a spouse, the necessary condition will be "residing with", whereas for other members of the family both the conditions "residing with" and "wholly dependent" shall have to be met.

Note-2: The restriction of two surviving children as indicated above shall not apply in respect of the existing children of an employee and a child born within one year of the restriction coming into force i.e. 20-10-1997 as also in case of multiple birth after one child.

Note-3: Not more than one spouse is included in the expression "family".

- (b). A female employee will be given the choice to include either her parents, or her parents-in-law for the purpose of availing of the benefits of the medical concessions under these Regulations, subject to the conditions of dependency and residence as stipulated in clause (a).

Note-1: Every female employee immediately on joining the service/after marriage shall give a declaration as to whether she would like to include her parents or parents-in-law for the purpose

of availing of the benefits, under re-imbursement scheme of these Regulations. She can change her option only once during the entire period of her service.

- (c). Employees (both male and female) on marriage, shall be required to give a joint declaration of their option in form as prescribed in Schedule I, clearly indicating the details in respect of each member of family, as considered sufficient in respect of whom the claim is to be preferred by the spouse concerned. A copy of the declaration shall be retained by the office of each spouse.
- (d). the age limits of dependent son/daughter, mentioned in clause (vi) (a) for the purpose of availing the medical facilities under these Regulations shall be –
  - (i). In the case of son, till he starts earning or attains the age of 25 years, whichever is earlier,
  - (ii). in the case of daughter, till she starts earning or gets married, whichever is earlier, irrespective of the age-limit; and
  - (iii). Inapplicable in the case of son suffering from any permanent disability of any kind (physical or mental) .
- (e). The medical facilities or medical allowance in lieu thereof, should not be claimed/availed of from two or more sources simultaneously. A certificate in the form given in Schedule II should be furnished with each of their medical claim by all the employees who are covered under these Regulations.
- (vii). “Government” means the Central Government.
- (viii). “Member” means a Member (including a part-time Member) of the Authority appointed under Section 47 A of the Act.
- (ix). “Pay” means basic pay, special pay, dearness pay or other emoluments classified as pay, drawn by an employee at the time of the medical treatment.
- (x). “Public Servant” means the same thing as defined under Section 112 of the Act.
- (xi). The “Registered Medical Practitioner” means a Registered medical practitioner possessing the qualifications included in one of the Schedule to the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) in so far as Group

'D' posts are concerned, a doctor possessing qualifications of a civil surgeon for Group 'C' and 'B' posts and a doctor possessing qualifications of a specialist or a physician or a surgeon for Group 'A' posts.

(xii). "Schedule" means schedule attached to these Regulations.

#### 4. Medical Treatment

"Medical Treatment" will encompass comprehensive medical cover involving out patient and other specialized treatment in an approved hospital and include the following:

- (a). Pathological, radiological and other methods of diagnosis.
- (b). Treatment at a clinic or in consultation room of a Registered Medical Practitioner.
- (c). Treatment provided at the residence of the employee in cases where it is certified by a Registered Medical Practitioner to be in the interest of health of the patient.
- (d). Treatment taken as an out door patient in an approved hospital / diagnostic center.
- (e). Supply of medicines, vaccines, sera or other therapeutic substances, is admissible, but does not include vitamins unless certified as essential by a Registered Medical Practitioner as a supplement to the medicines prescribed.
- (f). Dental treatment - ordinary dental treatment which does not include supply of dentures, crown work, bridge work, orthodontic work and other specialized dental work.
- (g). Ophthalmic treatment - treatment of eyes and testing of eyesight but does not includes supply of spectacles.
- (h). Prenatal and postnatal treatment.
- (i). Anti-rabic treatment.
- (j). Ordinary nursing and hospital accommodation appropriate to the status of the employee.

## 5. Hospitalization

- (i). An employee or any member of his/her family may obtain medical treatment as an indoor patient in a Government hospital, a hospital run by any local authority or any other Govt. approved hospital in Mumbai or outside Mumbai mentioned in the Schedule III attached to these Regulations.
- (ii). Reimbursement on account of accommodation charges in the hospitals referred to in clause (i) shall be limited to the rates specified in the table below:

TABLE

Category of Employee	Government Hospital	All India Institute of Medical Science	Approved Hospital
1	2	3	4
Group 'A'	Private A.C. room	Private A.C. room	Private A.C. room
Group 'B'	Private room	Private room	Private room
Group 'C'	Semi-paying ward	Semi – paying ward	Semi-paying ward
Group 'D'	General ward (including diet)	General ward (including diet)	General ward ( including diet)

- (iii). For the purpose of Regulation 5(i), Competent Authority may, from time to time, approve any private hospital, dispensary, maternity or child welfare center or clinic if included in the Govt. list.

## 6. Reimbursement of medical expenses.

- i) An employee shall be entitled to reimbursement of expenditure incurred on medical treatment as outdoor patient on himself/ herself and any member of his/ her family provided by a registered medical practitioner and / or approved hospital subject to a maximum of one month's basic pay per year.
- ii) Full reimbursement of expenses incurred on hospitalization shall be permitted in respect of an employee for self and family members on the basis of the bills and vouchers duly supported by doctor's prescription in case of all ailments and accidents which required hospitalization (including observation and medical treatment excepting normal medical check-up).

- Note : An employee or his / her family members shall be considered to have been hospitalized only if they are admitted as indoor patient in the hospital.

## 7. Treatment for special diseases

- (i). In addition to the facilities available under Regulation 5(i), for medical treatment of special diseases relating to heart ( open heart surgery, by-pass etc.) cancer, diseases related to kidney, neurosurgery, tubercular diseases and such other diseases as may be notified by the Authority from time to time, and employee or any member of his/ her family can avail himself / herself indoor treatment from any one of the hospitals specified below or such other hospitals as may be specified by the Competent Authority from time to time.

**TABLE**

Sr.No.	Name of the Disease	Recognized hospital
1.	Heart and other diseases	1. Escorts Hospital- New Delhi 2. Batra Hospital – New Delhi. 3. Moonchand Hospital- New Delhi 4. Apollo Hospital – New Delhi. 5. National Heart Institute- New Delhi
2.	Cancer	Tata Institute, Mumbai.

- (ii). Where an employee takes medical treatment under clause (i), full expenses for the treatment or for pathological tests including medicines relating to such diseases shall be reimbursed to him/her.

## 8. Claim by either husband or wife

Where the spouse of an employee is in the service of the Government or an organization owned or controlled by the Government and such spouse claims the benefits under the corresponding Rules applicable to him /her for himself / herself or any member of his / her family, the employee shall not claim any benefit under these Regulations.

## Advance for medical treatment

- (i). Where the competent authority is satisfied that it is necessary to grant an advance to meet the expenses of medical treatment in an approved hospital as an indoor patient in respect of an employee or any member of his /her family, it may sanction an advance not exceeding fifty percent of the one month's basic pay of the employee or the anticipated cost of medical

treatment, whichever is less, subject to production of a certificate from the said hospital about the likely expenditure.

- (ii). When an employee is unable to apply due to serious illness / accident, an advance may be sanctioned to him / her on a written request made on his / her behalf by wife/husband/other legal heirs, as the case may be.

#### **10. Special provisions**

Where any of the following artificial appliances/instruments/equipment are prescribed for a patient by a Specialist in a Government/recognized hospital, the Competent Authority may sanction reimbursement of the cost thereof:

- (i). Heart Pace Maker and the replacement of its Pulse Generator.
- (ii). Heart Valves.
- (iii). Artificial Electronic Larynx.
- (iv). Artificial Hearing Aid,
  - (a). pocket type based on the intensity of deafness: and,
  - (b) special type ( behind the ear)

#### **11. Treatment abroad**

- (i). An employee, if he/she or any member of his/her family is suffering from a disease treatment for which is not available in India, may make an application to the Authority to sanction the expenditure involved on such treatment.
- (ii). If the Authority is satisfied about the genuineness of the facts stated in the application, under clause (i) it may make a reference to the Standing Committee constituted by the Ministry of Health and Family Welfare for the purpose through the Ministry of Shipping; and, if the Standing Committee approves the request, the Competent Authority may sanction the expenditure.

#### **12. Reimbursement of Medical expenses incurred abroad.**

When an employee undertakes a tour abroad in connection with the affairs of the Authority and is compelled to take outdoor / indoor medical treatment the Competent Authority shall reimburse the entire medical expenditure incurred abroad.



**13. Fraudulent Claims**

- (i) If the Competent Authority is satisfied that there are sufficient reasons to believe that the employee has preferred a fraudulent claim, either supported by a fraudulent statement or device, which can be considered as an act of gross misconduct it may initiate disciplinary proceedings against him / her and such an employee shall not be reimbursed the claim till finalization of the disciplinary proceedings.
- (ii) Charges shown as payable shall be actual charges; no charges shall be admitted unless specifically detailed in the bill as normally presented and accompanied by a certificate of treatment by Hospital/Nursing Home, etc.
- (iii) The decision of the Competent Authority as to admissibility of a claim shall be final.

**14. Power to Relax**

- (i) Where the employee is compelled to take emergent medical treatment in a nursing home or unrecognized hospital for himself/herself or any member of his/her family or exceeds his/her entitlement of reimbursement of medical expenses under these Regulations, the Competent Authority may, after considering the genuineness of the case, relax any of the provisions of these Regulations.
- (ii) For the purpose of determining the genuineness of a case referred to in clause (i), the Competent Authority may constitute an appropriate Committee of officers by associating a medical officer of the appropriate status.
- (iii) A quarterly report of the cases in which the powers under clause (i) have been exercised, shall be placed before the Authority.

**15. Residuary Matters**

Matters, with respect to which no specific provision has been made in these Regulations, shall be regulated under the corresponding provisions of the Central Civil Services (Medical Attendance) Rules, 1944, as amended from time to time and the related instructions issued by the Govt. from time to time.

**16. Interpretation**

If any doubt arises as to the interpretation of these Regulations, it shall be referred to the Authority and the decision of the Authority shall be final and binding.

220761/04—3

**17. Repeal and Saving**

- (i) All the Rules, Regulations and Instructions on the medical attendance and treatment in force immediately before commencement of these Regulations and applicable to employees of the Authority, are hereby repealed with effect from the date of publication of these Regulations in the Gazette of India.
- (ii) Notwithstanding such cessation of operation, anything done, or any action taken or any medical claim granted or accrued to the employees, under the old Rules, Regulations and Instructions, shall be deemed to have been done, taken, granted or accrued under the corresponding provisions of these Regulations.

A. L. BONGIRWAR, Chairman

[ADVT/III/IV/143/04-Exty.]

**Schedule I****[ Joint declaration of family members in terms of Regulation 3 vi (c) ]**

1. Name of the Employee  
(in full and block letters) .....
2. Residential Address .....
3. Details of family members .....

S. No.	Name	Date of Birth	Relationship
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

I hereby declare that:

- (a) My father / mother namely..... is / are wholly dependent upon me and that he / she / they reside with me in ..... The total monthly income of my father / mother does not exceed Rs.1,500/- per month.

- (b). My son / brother ..... age ..... years is unemployed and wholly dependent on me.
- (c). My daughter / sister ..... age ..... years is unmarried / unemployed and wholly dependent on me.

(i). Signature of Husband.....

(ii). Signature of Wife.....

Office Stamp

Signature of the Head of Office

## **Schedule II**

**[ Form of Certificate in terms of Regulation 3 (vi) (e) ]**

### **CERTIFICATE**

Certified that I, Shri./Smt. \_\_\_\_\_ employed in \_\_\_\_\_ am not availing of medical facilities or financial/medical allowances in lieu thereof either for myself or for the members of my family from any source other than under the TAMP (Medical Attendance and Treatment) Regulations.

Signature of the employee

**Schedule III**

***List of approved Private Hospitals / Diagnostic Centres***  
**(Mumbai / New Mumbai and out side Mumbai / New Mumbai)**  
[ See regulations 5 ( i ) ]

1. Jaslok Hospital, 15, Dr.G.Deshmukh Marg, Mumbai  
(General/Specialised treatment and diagnostic procedures).
2. Cumballa Hill Hospital & Heart Instt., 93-95, August Kranti Marg, Mumbai.  
(General/Specialised treatment and diagnostic procedures except Mat.& Gynae.
3. R.G.Stone Urological Research Instt., 21-A, 14-A Road, Ahinsa Marg, Khar  
( W), Mumbai. (Specialised treatment in Urology & Laproscopic Surgery &  
Specialised diagnostic procedures in Urology & Gastroendoscopy.
4. Mahatma Gandhi Mission's New Bombay Hospital, Plot No.35, Sector-3,  
Vashi, Navi Mumbai. (General/Specialised treatment & diagnostic procedures).
5. Smt.Susheela Ben R.Mehta & Sir Kikabai Premchand Cardiac Instt. Plot  
No.96, Road No.31, Near Gandhi Market, King's Circle (E), Mumbai.  
(Specialised treatment & diagnostic procedures in Cardiology).
6. Shroff Eye Clinic, Gobind Mahal, 86-B, N.Subhash Road,  
Mumbai.(Specialised treatment & diagnostic procedures in Ophthalmology)
7. Guru Nanak Hospital, S-341, Gandhi Nagar, Bandra (E), Mumbai.  
(General/ treatment & diagnostic procedures).
8. Holy Spirit Hospital, Mahakali Road, Andheri (E), Mumbai. (General purpose  
treatment except sterilization procedures, specialized treatment except Heart,  
Neurovascular, Transplant Operations & general /specialized diagnostic  
procedures except Cardiac & Neurovascular investigations).
9. Inlaks Genl. Hospital, Inlaks Genl. Hospital Road, Chembur Colony, Mumbai.  
(General purpose treatment and diagnostic procedures).
10. S.L. Raheja Hospital, Raheja Rugnalaya Marg, Mahim, Mumbai. (Specialised  
treatment & diagnostic procedures).

11. Radhabai Waturmull Global Hospital,  
120, Veer Savarkar Marg, Mahim, Mumbai. (General purpose treatment & Specialised treatment for Chest Disease).
12. Karuna Hospital, Jeevan Bima Nagar, LIC Colony, Borivali (W), Mumbai.  
(General purpose treatment and diagnostic procedures except sterilization operations).
13. Mangal Anand Hospital, 48, Swastic Park, Umarshi Bappa Chowk, Sion Trombay Road, Chembur, Mumbai. (General purpose treatment and diagnostic procedures).
14. Bai Jerbai Wadia Hospital for Children, Acharya Donde Marg, Parel, Mumbai  
(General & Specialized treatment and diagnostic procedures in Paediatrics)
15. Nowrosjee Wadia Maternity Hospital, Acharya Donde Marg, Parel, Mumbai.  
(General & Specialized treatment and diagnostic procedures in Gynae. & Maternity)
16. Bombay Hospital, 12, New Marine Lines, Mumbai. (General/ Specialized treatment and diagnostic procedures)
17. Dr.Balabhai Nanavati Hospital, S.V.Road, Vile Parle (W), Mumbai. (General/ Specialized treatment and diagnostic procedures)
18. JNPT Hospital  
(General/ Specialized treatment and diagnostic procedures)
19. MBPT Hospital(General/ Specialized treatment and diagnostic procedures)

**Diagnostic Centres approved are as indicated below:**

1. Speciality Ranbaxy Limited, Plot No.113, MIDC 15<sup>th</sup> Street, Andheri (E), Mumbai. (General & Specialized diagnostic procedures in Microbiology, Pathology & Bio-chemistry).
2. N.M.Medical Centre, Mehta House, 36, Pandita Ramabai Road, Mumbai.  
(General & Specialized diagnostic procedures)
3. VT Shah Diagnostic Centre & Clinic, Kapole Niwas, Dr.Ambedkar Rd, Mumbai (General & Specialized diagnostic procedures)
4. Clinical Diagnostic Centre, A 8, Ben Nevis, B.Desai Rd, Mumbai. (General & Specialized diagnostic procedures except X-Ray, CAT Scan, MRI & Mammography)

5. Sterling Imaging Centre/ LD Medical Centre, Worli, Mumbai. (Specialized diagnostic procedures for Bone Densitometry and Mammography)
6. Andheri Pathological Lab., 14, Radhika Niwas, Andheri, Mumbai. (General diagnostic procedures in Microbiology, Pathology Hematology, Bio-chemistry and Hormone Assay).
7. Nirman High Tech. Diagnostic Centre, Shriram Appts Goraswadi, S.V. Road, Malad-Kandivli West, Mumbai. (Specialised Imaging diagnostic procedures).
8. Ashwani Laboratory, Jyoti Bldg. Seven Bungalows, Andheri West, Mumbai. (General & Specialized diagnostic procedures in Bio-chemistry, Microbiology and Pathology).